सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 10 ● अंकः 295 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 3 दिसम्बर, 2024

न तो अधिक बोलना अच्छा है, न ही जरूरत से ज्यादा चुप रहना ही ठीक है। जैसे बहुत अधिक वर्षा भी अच्छी नहीं और बहुत अधिक धूप भी अच्छी नहीं है।
-कबीर दास

अंडर-19 एशिया कप में भारत की पहली... 7 | उफ्फ! यह क्या बोल गये... 3 | अपराधियों के बैग में है यूपी... 2

संभल मुद्दे पर संसद में जोरदार दंगल

आखिरकार हंगामे के बीच शुरू हुई सदन में बहस

लोस व रास में छाया रहा संभल व दिल्ली का मामला

- » विपक्ष ने मोदी व योगी सरकार को घेरा
- » सपा ने यूपी शासन-प्रशासन पर छोड़े तीखे तीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आखिरकार संसद के शीतकालीन सत्र के दूसरे हफ्ते के दूसरे दिन सदन का कामकाज सुचारू तरीके से चलता दिखाई दिया। संभल मुद्दे को लेकर भारी हंगामा हुआ। इस बीच सपा प्रमुख ने इस मुद्दे पर बोलते हुए मोदी व योगी सरकार पर जमकर तीर छोड़े।

इससे पहले संसद के शीतकालीन सत्र के शुरुआती दिन तो हंगामे की भेंट चढ़ गए थे। लेकिन संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सत्ता पक्ष और विपक्षी दल संसद में गतिरोध दूर करने के लिए सहमत हो गए हैं। संविधान सभा पर दोनों सदनों में चर्चा होगी और इसके लिए तारीख भी तय कर ली गई है। इस सत्र में लोकसभा में शीतकालीन सत्र का पहला बिल पास होगा और राज्यसभा में भी बिजनेस अडवाइजरी कमिटी में लिए गए फैसलों के मुताबिक कामकाज शुरू होगा।

राज्यसभा में भी उठा संभल हिंसा का मुद्दा

राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि एक ही सदस्य ने 267 में चार नोटिस दिए हैं। मुझे नहीं पता कि किसको अनुमति दूं। रामगोपाल यादव ने संभल हिंसा का मुद्दा उठाया। सभापति ने कहा कि आपको शून्यकाल में बुलाते हैं। रामगोपाल यादव ने कहा कि लोग मारे गए हैं, महत्वपूर्ण मुद्दा है।

संभल के भाईचारे को गोली मारी गई : अखिलेश

लोकसभा में शून्यकाल की शुरुआत के साथ ही स्पीकर ओम बिरला ने अखिलेश यादव का नाम लिया। अखिलेश ने संभल का मुद्दा उठाते हुए कहा,संभल भाईचारे के लिए जाना जाता था लेकिन संभल के भाईचारे को गोली मारी गई है। संभल में खुदाई सौहार्द को खोद देगी। उन्होंने संभल की घटना को सोची-समझी साजिश बताते हुए कहा कि ये सरकार संविधान को नहीं मानती। 19 नवंबर को सर्वे की याचिका दायर की गई। दूसरे पक्ष को सुने बिना सर्वे का आदेश दे दिया गया। लोगों को पुलिस ने नमाज पढ़ने से रोका। लोगों ने दोबारा सर्वे की वजह जाननी चाही तो पुलिस प्रशासन ने बेकसूरों को गोली मारी। संभल में माहौल बिगाड़ने वालों और पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। ये लखनऊ और दिल्ली की लड़ाई है।

बंगाल सरकार ने कुछ खास लोगों को लाभ पहुंचाया : शिवराज

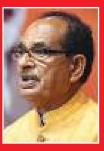

लोस में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा, पश्चिम बंगाल सरकार ने बड़े कामों को छोटा करके कुछ खास लोगों को लाभ पहुंचाने का अपराध किया है। इस योजना के तहत अपात्र लोगों को पात्र बनाया गया और पात्र लोगों को अपात्र बनाया गया, यह साबित हो चुका है, ग्रामीण विकास योजनाओं के नाम बदले गए हैं। पीएम आवास योजना का नाम बदलकर अपना नाम रखने का अपराध किया है। इसी योजना के तहत भी अपात्र लोगों को लाभ दिया गया और पात्र लोगों को छोड़ दिया गया। यह राशि दुरुपयोग के लिए नहीं है, यह अपात्र लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए नहीं है।

प्रियंका को चौथी पंक्ति में 517 नंबर की सीट मिली

18वीं लोकसभा के लिए सीटों की व्यवस्था को अंतिम रूप दे दिया गया है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी प्रमुख सीट पर बने रहेंगे और वायनाड से हाल ही में सांसद बनीं कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी को चौथी पंक्ति में जगह मिलेगी, इंडिया टुडे टीवी द्वारा प्राप्त सूची से पता चला है। पीएम मोदी की सीट नंबर 1 पर कोई बदलाव नहीं किया गया है, जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह क्रमशः सीट नंबर 2 और 3 पर बैठेंगे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, जिन्हें पहले सर्कुलर में सीट नंबर 58 दी गई थी, उन्हें सोमवार को संशोधित सीटिंग सूची जारी होने के बाद अब सीट नंबर 4 पर बैठा दिया गया है। 29 नवंबर के सर्कुलर में सीट नंबर 4 और 5 को शुरू में खाली छोड़ दिया गया था, लेकिन नए निर्देश में इसे अपडेट कर दिया गया है। वरिष्ठ विपक्षी नेताओं ने अग्रिम पंक्ति में अपना स्थान बरकरार रखा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, जो विपक्ष के नेता भी हैं, सीट नंबर 498 पर बैठेंगे, जबकि समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव सीट नंबर 355 पर बैठेंगे और लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के नेता सुदीप बंदोपाध्याय को सीट नंबर 354 आवंटित किया गया है। कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल को राहुल गांधी के बगल में सीट नंबर 497 पर बैठाया गया है, जिससे पार्टी का अग्रिम पंक्ति में प्रतिनिधित्व मजबूत हुआ है।फेरबदल में, सपा सांसद अवधेश प्रसाद, जिन्हें फैजाबाद से लोकसभा जीतने के बाद अखिलेश यादव ने प्रमुखता से उजागर किया था, को दूसरी पंक्ति में ले जाया गया है। अब वह सीट नंबर 357 पर बैठेंगे और डिंपल यादव सीट नंबर 358 पर बैठेंगी।

आप ने देश की राजधानी की कानून व्यवस्था पर लाया प्रस्ताव

आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने मंगलवार को नियम 267 के तहत राज्यसभा में बिजनेस सस्पेंशन नोटिस दायर किया है। इस नोटिस के तहत राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति और अपराधों में वृद्धि पर चर्चा करने की मांग की गई है। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के अलावा आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भी दिल्ली में बढ़ते अपराधो से संबंधित बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा की मांग करते हुए उच्च सदन में स्थगन प्रस्ताव नोटिस दायर किया है। बता दें कि संजय सिंह ने इससे पहले 2 दिसंबर और 29 नवंबर को भी कार्य स्थगन नोटिस दायर किया था, जिसमें राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ती अपराध दर पर चर्चा की मांग की गई थी। संजय सिंह सिंह ने दायर नोटिस में कहा कि प्रमुख समाचार पत्रों के आंकड़े डकैती, हत्या के प्रयास जैसे अपराधों में वृद्धि को उजागर करते हैं, तथा महिलाओं और बुजुर्गों के खिलाफ अपराध में वृद्धि हुई है।

बांग्लादेश, मणिपुर समेत कई मुद्दों पर चर्चा चाहते हैंः कांग्रेस

बांग्लादेश मुद्दे पर कांग्रेस सांसद सैयद नसीर हुसैन ने कहा, कि हम कई मुद्दों पर चर्चा चाहते हैं। एक है, अडानी मुद्दे पर जेपीसी और उस पर चर्चा। संभल मुद्दा है, अजमेर मुद्दा है, बांग्लादेश मुद्दा है, मणिपुर मुद्दा है। बहुत सारे मुद्दे हैं। लेकिन सरकार हमें इन मुद्दों पर चर्चा नहीं करने दे रही है। जैसे ही हम अडानी का नाम लेते हैं, वे कार्यवाही स्थगित कर देते हैं।

अपराधियों के बैग में है यूपी की कानून-व्यवस्था : अखिलेश

बोले- भाजपा राज में बड़े और छोटे सभी हाथ साफ कर रहे हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव संभल हिंसा को लेकर लगातार भाजपा सरकार पर हमलावर हैं। सपा अध्यक्ष ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा राज में बड़े-से-बड़े हाथ साफ कर रहे हैं और छोटे भी कम नहीं हैं। वो भी हाथ साफ करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं।

अपराधियों ने भाजपा सरकार में उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था के बैग में हाथ डालकर सब कुछ खाली कर दिया है। अखिलेश यादव प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार पर तंज कस रहे थे। कन्नौज में एक महिला अपनी बहन की शादी से लौट रही थी कि रास्ते में नकाबपोश महिलाओं ने उसके बैग से जेवरात पार कर दिए। अखिलेश ने इसी घटना को आधार बनाकर भाजपा पर निशाना साधा है।

बांग्लादेश के मुद्दे पर भारत सरकार उठाए कदम : सपा प्रमुख

संसद परिसर में बांग्लादेश मुद्दे पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव का कहना है कि भारत सरकार को इस बारे में सोचना चाहिए. ये चीजें नहीं होनी चाहिए. अगर वे हमारे संतों का सम्मान नहीं कर सकते तो वे एक मजबूत सरकार होने का दावा कैसे कर सकते हैं।

खोदोगे तो देश का सौहार्द खो दोगे

सपा नेता अखिलेश यादव ने फिर एकबार बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जिस दिन से संसद सत्र शुरू हुआ है, समाजवादी पार्टी ने संभल की घटना का मुद्दा उठाने की कोशिश की है। सदन नहीं चला, लेकिन हमारी मांग अब भी वही है। हम संभल की घटना पर अपनी बात सदन में रखना चाहते हैं। वहां के अधिकारी मनमाने तरीके से काम कर रहे हैं, मानो वे भाजपा के कार्यकर्ता। संभल की घटना भाजपा की सोची-समझी रणनीति है, ताकि लोगों को दूसरे मुद्दों से भटकाया जा सके। उन्होंने कहा कि जो लोग हर जगह खुदाई करना चाहते हैं, एक दिन वे देश की सौहार्द्रता और भाईचारे को खो देंगे।

सर्वेक्षणों के जरिए अशांति पैदा करने की साजिश रची जा रही : रामगोपाल यादव

सपा सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि इस तरह के सर्वेक्षणों (मस्जिदों के) के जरिए देशभर में अशांति पैदा करने की साजिश रची जा रही है। सुप्रीम कोर्ट को इस पर संज्ञान लेना चाहिए और ऐसे आदेश देने वाले जजों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

सरकार मुस्लिम समाज के लोगों का मनोबल गिराने का काम कर रही : शिवपाल यादव

» बोले- सुबह से शाम केवल झूठ बोलते हैं भाजपाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल यादव ने कहा कि संभल की घटना सरकार द्वारा कराई गई सुनियोजित घटना है। सपा को सरकार द्वारा गठित की गई न्यायिक टीम पर भरोसा नहीं है। वर्तमान सीनियर न्यायाधीशों की निगरानी में जांच होनी चाहिए। सरकार मुस्लिम समाज के लोगों का मनोबल गिराने का काम कर रही है।

भाजपा सरकार में बैठे लोग सुबह से शाम तक केवल झूठ बोलने का कार्य कर रहें हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की प्रदेश सरकार प्रदेश में विकास कराने में नाकाम साबित हो रही है। सरकार प्रदेश में केवल और केवल दंगे कराने का काम कर रही है। जबकि सरकार में बेईमानी व भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। इस पर कोई बोलने वाला नहीं है। प्रदेश में भाजपा का पुरजोर विरोध केवल सपा कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में महंगी बिजली है। जितनी बिजली देने का वादा किया था, वो प्रदेश में किसी को नहीं मिल रही है। ऊपर से जनता से अधिक वसूली और की जा रही है। इतना ही नहीं प्रदेश में किसानों को खाद नहीं दे पा रही है।

कई जिलों में तो सरकार के इशारे पर खाद की मांग कर रहे किसानों पर लाठीचार्ज तक भी कराया गया था। गन्ने का दाम जस का तस है, गन्ने पर कोई रुपया बढ़ाया नहीं गया है। सरकार से प्रदेश की जनता पूरी तरह त्रस्त हो चुकी है। इस दौरान इफ्को निदेशक शीशपाल सिंह, जिला उपाध्यक्ष पदम सिंह, इकबाल कुरैशी, सुनील चौधरी, दिनेश तोमर शामिल रहे।

प्रतिबंध हटने के बाद संभल जरूर जाऊंगा : अजय राय

» बोले- वहां की स्थिति की अपने स्तर पर जांच करेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि वह प्रतिबंध हटने के बाद फिर संभल जाएंगे। उधर इससे पहले संभल जाने से रोकने पर कार्यकर्ताओं और पुलिस में हल्की झड़प भी देखने को मिली। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय धरने पर बैठ गए। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए हंगामा किया।

अजय राय ने कहा कि जब भी प्रतिबंध हटेगा तो कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल संभल जरूर जाएगा। हम संभल जाकर वहां की स्थिति की अपने स्तर पर जांच करेंगे। यह भी खुलासा करेंगे कि पुलिस प्रशासन के लोग किस तरह से गलत जांच रिपोर्ट पेश करते हैं। कांग्रेस ने इसकी तैयारी पहले से कर ली थी। रविवार की रात पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने कार्यालय में ही रात बिताई। प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों से नेता

रविवार की शाम को ही लखनऊ पहुंच गए थे, ताकि सभी सोमवार की सुबह एक साथ रवाना हो सकें। संभल जाने के लिए निकलने से पहले कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पार्टी कार्यालय पर गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद वह संभल जाने के लिए निकले। पुलिस ने उन्हें गेट पर ही रोक लिया। उधर प्रशासन ने दस दिसंबर तक संभल आने पर रोक लगा रखी है। बीते दिनों सपा के कई नेताओं ने वहां जाने के कोशिश की थी। सपा विधानमंडल दल के नेता और प्रदेश अध्यक्ष को वहां जाने से रोक दिया गया था। इकरा हसन सहित कुछ और सांसदों को भी वहां नहीं जाने दिया गया था।

राजनीति में हर व्यक्ति दुखी है : गडकरी

केंद्रीय मंत्री बोले- यह असंतुष्ट आत्माओं का सागर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में बोलते हुए राजनीति के क्षेत्र में संतुष्टि की खोज पर अपना दृष्टिकोण साझा किया। इसे असंतुष्ट आत्माओं का सागर बताते हुए उन्होंने बताया कि कैसे पार्षदों से लेकर मुख्यमंत्रियों तक लोग अक्सर अपनी उपलब्धियों के बावजूद खुद को असंतोष से जूझते हुए पाते हैं। उन्होंने कहा कि विधायक नहीं बनने से पार्षद नाराज हैं।

मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किये जाने से विधायक असंतुष्ट हैं। प्रमुख विभाग न मिलने पर मंत्रियों को अधूरापन महसूस होता है

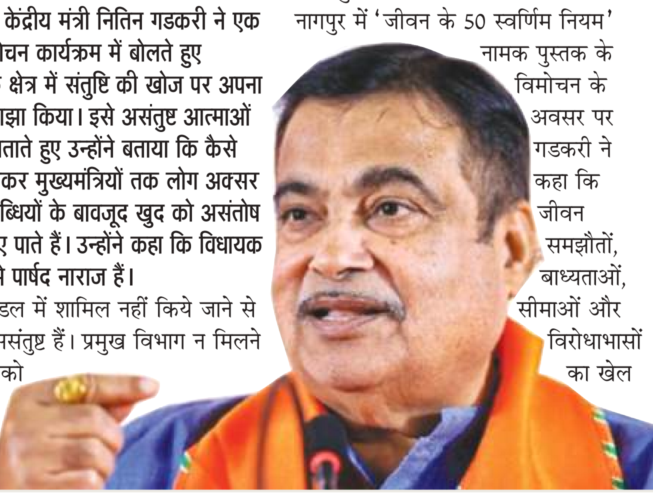

और मुख्यमंत्री हमेशा चिंता में रहते हैं। नागपुर में 'जीवन के 50 स्वर्णिम नियम' नामक पुस्तक के विमोचन के अवसर पर गडकरी ने कहा कि जीवन समझौतों, बाध्यताओं, सीमाओं और विरोधाभासों का खेल है। उन्होंने कहा कि जो मंत्री बनता है वह इसलिए दुखी रहता है कि उसे अच्छा मंत्रालय नहीं मिला और वह मुख्यमंत्री नहीं बन पाया तथा मुख्यमंत्री इसलिए तनाव में रहता है क्योंकि उसे नहीं पता कि कब आलाकमान उसे पद छोड़ने के लिए कह देगा। उन्होंने कहा कि जीवन में समस्याएं बड़ी चुनौतियां पेश करती हैं और उनका सामना करना तथा आगे बढ़ना ही जीवन जीने की कला है। गडकरी ने कहा कि उन्हें अपने राजनीतिक जीवन में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन की आत्मकथा का एक उद्धरण याद है, जिसमें कहा गया है, "कोई व्यक्ति तब खत्म नहीं होता जब वह हार जाता है। वह तब खत्म होता है जब वह हार मान लेता है।

संविधान से छेड़छाड़ असहनीय : फारूक

» बोले- 24 करोड़ मुस्लिमों को समंदर में नहीं फेंक सकते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह उन गतिविधियों को रोकें जो देश में सांप्रदायिक तनाव को बढ़ावा देती हैं और मुस्लिम समुदाय को समान अधिकार दे। अब्दुल्ला ने कहा संभाल जैसे घटनाओं को रोकने की जरूरत है। मैं भारत सरकार से कहूंगा कि ऐसे कृत्यों को रोका जाए क्योंकि वे भारत के 24 करोड़ मुस्लिमों को समंदर में नहीं फेंक सकते।

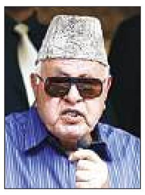

मुस्लिमों को समान रूप से देखो, यही हमारी संविधान की बात है। अगर संविधान से छेड़छाड़ की जाएगी तो भारत कैसे बच पाएगा? उन्होंने कहा कि कश्मीरी पंडितों के घाटी में लौटने के बारे में कोई भी विरोध नहीं कर रहा है। कोई भी कश्मीरी पंडितों के वापस लौटने का विरोध नहीं कर रहा है। सभी राजनीतिक दलों ने कहा है कि उन्हें वापस आना चाहिए। यह उनका निर्णय है कि वे कब लौटें।

उफ्फ! यह क्या बोल गये भागवत...

संघ प्रमुख के बयान पर मचा सियासी घमासान

- कम बच्चे पैदा करने का कारण लिवइन रिलेशनशिप भी
- ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले क्या चुनाव लड़ पाएंगे
- लालू प्रसाद यादव को ज्यादा बच्चों के कारण बनाया गया था निशाना
- जनसंख्या नियंत्रण अभियान के नाम पर करोड़ो बहाये गए
- जनसंख्या के कारण पानी, भोजन और अन्य बेसिक चीजों की पहले से ही है परेशानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नागपुर सम्मेलन में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने एक ऐसा बयान दे दिया है जिसको लेकर पूरे देश में घमासान मच गया है। जहां विपक्षी दलों ने उनके बयान को लेकर उनको घेरा है वहीं आम जन द्वारा भी उनको ट्रोल किया जा रहा है। मोहन भागवत ने प्रजनन दर में गिरावट पर चिंता जताते हुए कहा है कि जब किसी समाज की जनसंख्या वृद्धि दर 2.1 से नीचे गिर जाती है, तो वह समाज धीरे-धीरे नष्ट हो जाता है। उनके इस बयान पर एनसीपी नेता जयंत पाटिल ने कटाक्ष करते हुए कहा है कि अब अजीत पवार को और बच्चे पैदा करने होंगे? क्योंकि शपथ लेने के बाद उन्हें संघ प्रमुख की बात माननी होगी। वहीं कांग्रेस नेता तारिक अनवर ने कहा है कि यह बयान समाज को बांटने वाला बयान है।

देश में जनसंख्या नियंत्रण करने के लिए जनसंख्या अभियान लंबे समय से चल रहा है। इस अभियान में जागरूकता के नाम पर करोड़ों रूपये बहाये जा चुके हैं। अभियान का एक ही मकसद है कि लोगों को कम बच्चे पैदा करने के? लिए जागरूक करें। अभियान में जनसंख्या नियंत्रण के लिए गर्भनिरोधक गोलियों से लेकर कंडोम और जागरूक करने लिए बहुत से पब्लिक प्लेटफार्म पर कार्यक्रम किये जाते हैं। टीवी और अखबारों में विज्ञापन दिये जाते हैं। ऐसे में संघ प्रमुख के बयान से इस पूरे कार्यक्रम की हवा निकल जाएगी। सवाल यहीं खड़े किये जा रहे हैं कि संघ प्रमुख ने ऐसा बयान क्यों दिया और इसके राजनीतक निहार्थ क्या हैं?

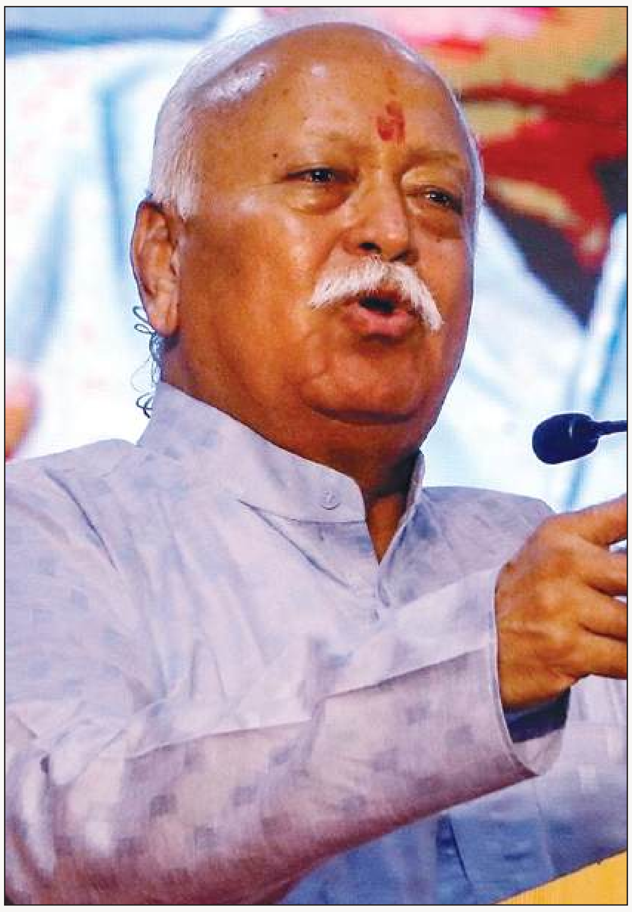

समाज के जीवित रहने के लिए, जनसंख्या का स्तर नीचे नहीं गिरनी चाहिए : भागवत

नागपुर सम्मेलन में अपने संबोधन के दौरान आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने जनसंख्या के घटते ग्राफ पर चिंता व्यक्त की और प्रजनन दर को 2.1 पर बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया है। मोहन भागवत ने चेतावनी देते हुए कहा है कि बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने में असमर्थता के कारण समाज और भाषाएं लुप्त हो गई हैं। भागवत ने कहा, जनसंख्या 2.1 से नीचे नहीं जानी चाहिए। हमारे देश की जनसंख्या नीति 1998 और 2002 के बीच तय की गई थी और किसी भी समाज के जीवित रहने के लिए, उसकी जनसंख्या इस स्तर से नीचे नहीं गिरनी चाहिए।

एनसीपी ने खड़ा किया सवाल

चूंकि बयान नागपुर से आया है तो सवाल भी सबसे पहले महाराष्ट्र से ही खड़ा किया गया है। एनसीपी ने सवाल पूछा है। उसने ताबड़तोड कई सवाल पूछ डाले हैं। सवाल नम्बर एक ज्यादा बच्चे पैदा करने होंगे तो क्या वह लोग चुनाव लड़ पाएंगे जिनके ज्यादा बच्चे हैं। सवाल नम्बर दो, पानी की समस्या और अनाज की समस्या का क्या होगा? सवाल नम्बर तीन – अजीत पवार मंत्रीमंडल में शामिल होंगे तो क्या संघ प्रमुख की बात मानेंगे?

संघ प्रमुख का मानसिक दिवालियापन : तारिक अनवर

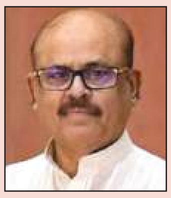

कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने संघ प्रमुख के इस बयान को उनका मानसिक दिवालियापन बताया है। उन्होंने भागवत और संघ पर समाज को विभाजित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह घृणित बयान समाज की एकता को तोड़ने के उद्देश्य से है। उनका पूरा ध्यान देश को पीछे ले जाने पर है।

देश में बढ़ रहा है कुआंरा कल्चर!

भारत में अविवाहित और कम बच्चे पैदा करने का कल्चर बहुत तेजी से बढ़ कर रहा है। पीएम मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद सीएम योगी यूपी के मुख्यमंत्री बने। इसमें योगीअविवाहित है। वहीं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी कुंवारे है। देश में योगी,मोदी व राहुल अगर इशारा भी कर दे तो लोग फालो करने लगते हैं। सेल्फी लेने वाली बात हो या फिर स्टाइलिश और अच्छा दिखने के जज्बे की तरफ भारतीयों का रूख इन नेताओं के ध्यानाकर्षण के बाद ही गया है। यही नहीं देश में एक और बीमारी बहुत तेजी से फैली है और वह है लिव इन रिलेशनशिप की। इस रिलेशनशिप में भी लोग बच्चे पैदा करने से गुरेज करते हैं।

मायावती आगामी चुनावों में फिर फोड़ेंगी 'बम'

- बसपा फिर से पकड़ेगी रफ्तार, कार्यकर्ताओं को किया तैयार
- दलित-मुस्लिम के साथ-साथ ब्राह्मण-मुस्लिम गठजोड़ पर जोर
- भाजपा, सपा व कांग्रेस को करेंगी बेदम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लगातार कुछ चुनावों में बसपा के गिरते वोट प्रतिशत पर बसपा सुप्रीमों मायावती परेशान होती दिख रही हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में दलित व मुस्लिम अर्थात दम के सहारे सीटें हासिल करने का फार्मूला बनाकर उतरी थीं पर उनके मतदाताओं ने उन्हें एक भी सीट न देकर उनकी पार्टी को बेदम कर दिया था। उधर कभी उपचुनाव न लड़ने वाली मायावती ने यूपी के नौ विधानसभा के उपचुनाव में भी हाथ आजमाया पर वह खाली हाथ रहीं।

अब वह अपने मूल वोटरों को एकबार फिर अपने पाले में लाने के साथ-साथ ब्राह्मणों व मुस्लिमें के सहारे एकबार फिर सियासत में बम फोड़ने की तैयारी कर रही है। अब आने वाले चुनावों में पता चलेगा की दम व बम धमाका करता हैं या फुस्स होकर बेदम हो जाते हैं। दरअसल बसपा प्रमुख ने यूपी और उत्तराखंड के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में जोनल कोआर्डिनेटरों की जमकर क्लास ली। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने हालिया चुनावों में पार्टी का वोट प्रतिशत घटने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने साथ ही, मुस्लिमों और ब्राह्मणों को पार्टी से दोबारा जोड़ने के लिए मंडल और जिलों में प्रभारियों की टीमें बनाई हैं। इनका काम घर-घर जाकर लोगों को भाजपा और विपक्ष के जातिवादी और सांप्रदायिक एजेंडे के बारे में लोगों को जागरूक करने के साथ उन्हें बसपा के साथ जोड़ना होगा।

फिलहाल किसी भी वरिष्ठ पदाधिकारी को न हटाने का फैसला

सूत्रों की मानें तो बसपा सुप्रीमो ने फिलहाल किसी भी वरिष्ठ पदाधिकारी को हटाने का फैसला नहीं लिया है, लेकिन जल्द ही कईयों पर गाज गिरनी तय मानी जा रही है। खासकर पश्चिमी उप्र में बसपा के वोटों में आई बड़ी कमी पर वह खासी नाराज दिखीं। बता दें कि पश्चिमी उप्र में बसपा को आजाद समाज पार्टी और एआईएमआईएम से कम वोट मिले थे। उन्होंने बैठक में कहा कि यूपी सरकार धार्मिक मुद्दों की आड़ में स्वार्थ की राजनीति कर रही है। संकीर्ण जातिवादी व सांप्रदायिक तत्वों की जकड़ से लोगों को निकालने के लिए अपना संघर्ष कमजोर नहीं होना चाहिए।

शीतकालीन सत्र शून्य होना उचित नहीं

मायावती ने कहा कि अडाणी समूह पर लगा नया आरोप और संभल मस्जिद विवाद ऐसे ज्वलंत मुद्दे हैं, जिसको लेकर संसद में सरकार एवं विपक्ष के बीच टकराव के कारण संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से नहीं चल रही है। वर्तमान सत्र का महत्व ही शून्य हो जाना उचित नहीं है। संसद देशहित में ठीक से चलनी चाहिए, जिसके लिए सरकार और विपक्ष दोनों को गंभीर होना बहुत जरूरी है।

धनबल से चुनाव जीत रही है भाजपा

उन्होंने हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव में धनबल, बाहुबल और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि साफ-सुथरा चुनाव कराना अब चुनौती बन चुका है। यह संविधान और लोकतंत्र के लिए खतरा है। भाजपा की नीतियों से लोगों में आक्रोश है। लोगों का ध्यान बांटने के लिए ही भाजपा नए जातिवादी, सांप्रदायिक व संकीर्ण हथकंडों का इस्तेमाल करके चुनाव में लाभ लेती है। यूपी व उत्तराखंड में जबरदस्त महंगाई है। भाजपा की तुष्टीकरण की राजनीति लोगों को खुशहाल जीवन नहीं दे पा रही है।

परिनिर्वाण दिवस की तैयारियों में जुटे कार्यकर्ता

उन्होंने कहा कि 6 दिसंबर को डॉ. भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर लखनऊ, कानपुर व अयोध्या मंडल के लोग लखनऊ के गोमती नगर में अंबेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल में श्रद्धा-सुमन अर्पित करेंगे, जबकि मेरठ व दिल्ली के लोग नोएडा में दलित प्रेरणा स्थल में श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। यूपी के बाकी 14 मंडल के लोग अपने-अपने मंडल में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में शामिल होंगे। अन्य राज्यों के लोग अपने-अपने प्रदेश में कार्यक्रमों का आयोजन करेंगे। बसपा सुप्रीमो ने लखनऊ मंडल की टीमों और प्रभारियों की तैनाती की है। जल्द बाकी मंडलों की टीमों और प्रभारियों की भी जल्द तैनाती की जाएगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

आंदोलनों को हल्के में लेना पड़ सकता है भारी!

> अब एकबार फिर किसानों ने यूपी-दिल्ली बॉर्डर पर अपनी मांगों को लेकर विशाल प्रदर्शन किया। अब सबसे विचारणीय प्रश्न यह है कि इतने आंदोलनों के बाद भी वर्तमान सरकार समस्याओं का समाधान क्यों नहीं कर रही है क्या सरकार खुद चाहती है इस तरह प्रदर्शन होते रहें ताकि अन्य गंभीर मुद्दों पर चर्चा न हो सके। लोकतंत्र में दबाव ग्रुप की भूमिका बहुत अहम होती है।

एनडीए की सरकार का ग्यारहवां साल चल रहा है। इन दस सालों में बीजेपी सरकार की कुछ नीतियों के खिलाफ किसान, पहलवान, मुसलमान, नवजवान समय-समय आंदोलन करते रहे। जब सड़क पर बहुत ज्यादा लोग उतर जाते हैं तो मोदी सरकार घबराकर बैकफुट पर चली जाती है। फिर वादे कर देती है, इसी तरह का वायदा किसानों को भी किया गया था कि उनके फसल के एमएसपी पर ध्यान दिया जाएगा। पर इतने महीने के बाद भी अभी मामला अधर में है। अब एकबार फिर किसानों ने यूपी-दिल्ली बॉर्डर पर अपनी मांगों को लेकर विशाल प्रदर्शन किया। अब सबसे विचारणीय प्रश्न यह है कि इतने आंदोलनों के बाद भी वर्तमान सरकार समस्याओं का समाधान क्यों नहीं कर रही है क्या सरकार खुद चाहती है इस तरह प्रदर्शन होते रहें ताकि अन्य गंभीर मुद्दों पर चर्चा न हो सके। लोकतंत्र में दबाव ग्रुप की भूमिका बहुत अहम होती है। ये ग्रुप सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ आमजन की आवाज उठाते हैं। उनको भारतीय संविधान ने आंदोलन व प्रदर्शन करने का अधिकार दे रखा है।

सरकारों को भी इन आंदोलनों की मांगों को ध्यान देकर समाधान निकालने का प्रयास करना चाहिए। दरअसल, संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में हजारों किसान नोएडा की सड़कों पर है। किसानों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी। पुलिस का सख्त घेरा तोड़कर आगे बढ़ गए, हालांकि थोड़ी दूर पर फिर से किसानों को रोक लिया गया है। उधर, भीषण जाम से हाहाकार मचा है। वाहन चालक और आम लोग परेशान हैं। ज्ञात हो कि संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर मोर्चा से जुड़े 10 किसान संगठनों ने 25 नवंबर को प्रदर्शन कर महापड़ाव शुरू किया। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के बाद किसान यमुना प्राधिकरण दफ्तर के सामने 28 नवंबर से धरने पर बैठे हैं। रविवार को किसानों और अधिकारियों के बीच हाईलेवल की मिटिंग बेनतीजा समाप्त हो गई थी। भीषण जाम में एंबुलेंस भी फंस गई। इस आंदोलन में किसान 10 फीसदी विकसित भूखंड और 64.7 फीसदी अतिरिक्त मुआवजा की मांग कर रहे हैं। वहीं नए भूमि अधिग्रहण कानून के मुताबिक, एक जनवरी 2014 के बाद अधिग्रहित भूमि का मुआवजा देने, गौतमबुद्ध नगर में 10 वर्ष से सर्किल रेट भी बढ़ा ने की भी मांग कर रहे हैं। वही गौतमबुद्धनगर समते कई जिले में नए भूमि अधिग्रहण कानून के लाभ लागू करने की बात कर रहे हैं। साथ ही नए भूमि अधिग्रहण कानून के सभी लाभ, हाई पावर कमेटी द्वारा किसानों के हक में भेजी गई सिफारिशें लागू की जाएं। भूमिधर, भूमिहीन किसानों के बच्चों को रोजगार और पुनर्विकास के लाभ मिलें। किसानों की मांगों पर सरकारों को गौर करना चाहिए क्योंकि भारत का किसान देश अन्नदाता होता है। वह पूरे देश नागरिकों का पेट भरता है इसलिए सरकार को किसानों की आवाज को दबाना चाहिए। उनकी आवाज सुनकर उनकी मांगों को मानना चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राजनीतिक विरासत को समृद्ध करती प्रियंका की जीत

ज्योति मल्होत्रा

पिछले सप्ताह महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार के बाद पार्टी में छाई गहरी खामोशी आपको बताती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी भाजपा देश भर में सत्ता क्यों कायम रखे हुए हैं। एक शब्द में कहें तो ऐसा इसलिए क्योंकि कांग्रेस उन्हें इसके लिए सक्षम बनाती है। पिछले छह-सात दिनों से खूब खबरें चली कि महाराष्ट्र के महायुति गठबंधन के भीतर इस मुद्दे पर खींचतान और दबाव बना हुआ है कि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, देवेंद्र फडणवीस या एकनाथ शिंदे। इसके विपरीत, कांग्रेस फिर से करवट लेकर सोने चली गई लगती है। एमवीए गठबंधन से उद्धव ठाकरे द्वारा किनारा करने की चर्चा राज्य में हो रही है, लेकिन गठबंधन के घटकों के बीच दरार और मनमुटाव का शोर वास्तव में चुनाव परिणाम आने से पहले ही मचना शुरू हो गया था – जब वे इस मुद्दे पर बहस करने लगे थे कि महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री कौन होगा? निश्चित रूप से, यह एक अनूठी स्थिति है। कांग्रेस और राहुल गांधी नियमित रूप से भाजपा पर मोदी की छवि बतौर देवतुल्य व्यक्ति पेश करने का आरोप लगाते हैं – खुद प्रधानमंत्री ने लोकसभा चुनाव से पहले वाराणसी में एक चैनल को दिए साक्षात्कार में इस तथ्य को स्वीकार किया था, जब उन्होंने कहा- 'मुझे यकीन है कि भगवान ने (मुझे) भेजा है, क्योंकि इतनी ऊर्जा मेरे जैविक शरीर में तो नहीं हो सकती थी'। लेकिन तथ्य यह है कि भले ही कांग्रेस एक के बाद एक चुनाव हारती जा रही है – झारखंड नियम की बजाय अपवाद है – फिर भी उसने अपने अंदर झांकने से आंखें मूंद रखी हैं। आश्चर्यजनक तथ्य यह बना हुआ है कि हार के पीछे राहुल गांधी पर सीधे-सीधे अंगुली उठाने से कांग्रेस पार्टी बचती है और यह बात मोदी और भाजपा को राज्य-दर-राज्य खुद को मजबूत करने का मौका प्रदान करती है। जब पिछली गर्मियों में भाजपा संसद में अपना खुद का पूर्ण बहुमत नहीं ले पाई थी, तो उसने बारीकी से जांच की कि गलती कहां रही, जिसमें यह भी शामिल था कि आरएसएस ने मदद क्यों नहीं की। इसके बाद हरियाणा और महाराष्ट्र में हुए चुनावों में भूल से सबक लेना सुनिश्चित किया गया – इसलिए हरियाणा में प्रत्येक विधानसभा सीट पर माइक्रो मैनेजमेंट की गयी और अति आत्मविश्वासी बनी कांग्रेस के पैरों तले से जमीन खींच ली और महाराष्ट्र में 'लाड़ली-बहना' जैसी योजनाओं की

बदौलत जीत हासिल की, जो महिलाओं के बैंक खाते में सीधे पैसे डालने की गारंटी देती है। इसके विपरीत, कांग्रेस ईवीएम को दोष देने में लगी रही और अपनी विफलता के पीछे 'बड़े पैमाने पर धांधली' को जिम्मेदार ठहराया। तमाम अच्छे नेताओं की तरह विफलता को स्वीकार करने के बजाय राहुल वायनाड से अपनी करिश्माई बहन की जीत मनाने में अगुवाई करते नजर आए – दृश्य मनोहारी था, खासकर जब वह युवा महिला पारंपरिक केरल कसावु साड़ी में संसद में शपथ लेने पहुंची और त्रुटिहीन हिंदी में सांसद के रूप में सौगंध उठाई। लेकिन अब वास्तविक दृश्य देखिये। सदन में अब तीन गांधी हैं- राज्यसभा में मां सोनिया तो लोकसभा में उनके बच्चे राहुल और प्रियंका, राहुल उत्तर प्रदेश के दिल रायबरेली से सांसद, तो प्रियंका दक्षिण भारत के खूबसूरत पहाड़ी जिले वायनाड से। लेकिन यहां कोई मुगालता न रहे, इस जीत से पारिवारिक जागीर रूपी कांग्रेस पर गांधियों की पकड़ अब और भी मजबूत हो गई है।

वंशवाद विरोधी आवाजें उठना भारतीय राजनीति में अब लंबे समय से बंद हो चुकी हैं- आज न केवल कांग्रेस बल्कि हर राजनीतिक दल, नेता-नेत्रियों के बेटे-बेटियों से भरा पड़ा है, जो कथित तौर पर अच्छाई की लड़ाई लड़ रहे हैं। इसके पीछे वे कौन से तर्क देंगे, उनसे अब हम सब अच्छी तरह वाकिफ हैं। भारत के लोग इतने अक्लमंद हैं कि अगर आप उनके लिए पर्याप्त मेहनत नहीं करते तो वे आपको अपना नेता स्वीकार नहीं करेंगे, भले ही आपकी बपौती कितनी भी बनती हो। वंशवाद का आरोप अब कांग्रेस की समस्या नहीं रही। यह तथ्य है कि गांधी परिवार ने एक 'मुखौटे' पर जोर देना जारी रखा हुआ है, मुखौटा पहने उस आदमी की डोर पीछे से इस परिवार के हाथ में है। बतौर सांसद अपनी पदोन्नति के साथ, प्रियंका कठपुतली चलाने वालों की श्रेणी में शामिल हो गई हैं। उनकी मां, एक असाधारण महिला, जिन्होंने साल 1991 की गर्मियों में अपने पति की दुखद और जघन्य हत्या के बाद बनी परिस्थिति में कांग्रेस के कुनबे को एकजुट बनाए रखा और मनमोहन सिंह के उल्लेखनीय नेतृत्व में कांग्रेस 10 साल सत्ता में रही। वे अब सार्वजनिक जीवन से दूर हो गई हैं, उनकी बेटी ने आगे आकर मोर्चा संभाला है। यह अप्रासंगिक है कि कमान किसके हाथ में दी गई है, सोनिया के बेटे को या बेटी को। सदन में बतौर नए गांधी, प्रियंका की अतुलनीय चुंबकीय उपस्थिति पर्याप्त चेतावनी है कि गांधियों को हलके में लेना आसान न होगा।

आपदा को अवसर में बदलने से स्वर्णिम भविष्य

रेनू सैनी

> कृष्णा एक नौजवान है। वे करौली के सायपुर में रहते हैं। प्रकृति ने उनके साथ बहुत नाइंसाफी की। जीवन में एक के बाद एक मिलने वाले आघातों ने उनके व्यक्तित्व को कमजोर कर दिया। बचपन में ही एक दुर्घटना में उनके दोनों हाथ कट गए। जब वे केवल पांच साल के थे तो उनके हाथ मोटर में आ गए। जान बचाने के लिए डॉक्टर को उनके दोनों हाथों को काटना पड़ा।

आपके घर की कोई कीमती वस्तु टूट गई या उसका एक हिस्सा खराब हो गया तो आप क्या करते हैं? अक्सर कई लोग उस पूरी की पूरी वस्तु को बाहर निकाल देना ही उचित समझते हैं। उन्हें लगता है कि नई वस्तु आ जाएगी। मगर कुछ लोग ऐसे होते हैं जो अपने साथ कोई दुर्घटना या हादसा होने पर ऐसे कदम उठाने से परहेज नहीं करते। कई लोग तो आत्मघाती कदम तक उठा लेते हैं। जापान एक ऐसा देश है जहां के लोग लंबी आयु जीते हैं। ये लोग अंत तक मेहनत करते हैं। नियम का पालन करते हैं और अपनी संस्कृति को तन-मन से अपनाते हैं। ये लोग अपने एवं वस्तुओं के साथ किंत्सुगी शैली में जीते हैं। आप सोच रहे होंगे कि किंत्सुगी क्या है? किंत्सुगी एक जापानी कला है।

इसके अंतर्गत मिट्टी के बर्तनों के टूटे हुए टुकड़ों को सोने से जोड़कर उसे पहले से कहीं अधिक बहुमूल्य और उपयोगी बना दिया जाता है। ऐसा करके इस धारणा को प्रबल किया जाता है कि वस्तु की कमियों को स्वीकार करके, थोड़ा दिमाग लगाकर उन्हें पहले से कहीं अधिक मजबूत और सुंदर बनाया जा सकता है। हमारा व्यक्तित्व भी अपूर्ण और कमियों से भरा है। यदि हम कमियों का ही रोना रोते रहेंगे तो जीवन की सुंदर और सकारात्मक चीजों को नहीं देख पाएंगे। वहीं यदि हम अपनी कमियों को अपनाकर अपने व्यक्तित्व को उनसे इतर निखारने का प्रयत्न करेंगे तो कहीं अधिक मूल्यवान बन जाएंगे। कृष्णा एक नौजवान है। वे करौली के सायपुर में रहते हैं। प्रकृति ने उनके साथ बहुत नाइंसाफी की। जीवन में एक के बाद एक मिलने वाले आघातों ने उनके व्यक्तित्व को कमजोर कर दिया। बचपन में ही एक दुर्घटना में उनके दोनों हाथ कट गए। जब वे केवल पांच साल के थे तो उनके हाथ मोटर में आ गए। जान बचाने के लिए डॉक्टर को उनके दोनों हाथों को काटना पड़ा। पांच वर्ष की आयु में बच्चों को यह अहसास ही नहीं होता कि हमारे ये अंग कितने महत्वपूर्ण हैं।

कृष्णा जब बड़े हुए तो कई बच्चे उन्हें हेय भाव से देखते। कुछ बात करने से कतराते। इन सबमें बेचारे कृष्णा का कोई दोष नहीं था। लेकिन फिर भी लोग उन्हें अधूरा, अपूर्ण समझते थे। फिर कोरोना में उनके दैनिक कार्य करने वाली माता भी साथ छोड़ गई। वृद्ध पिता बिस्तर से लग गए। अब क्या हो? कई बार कृष्णा को अपनी अपूर्णता से शिकायत हुई। उन्होंने मृत्यु को भी गले लगाने की सोची। लेकिन फिर उनके अंतर्मन ने उन्हें कचोटा। उन्हें महसूस हुआ कि बहुमूल्य जीवन अपूर्णता पर रोने में नष्ट करने के लिए नहीं है। बस उसी दिन से उन्होंने स्वयं को बदलना प्रारंभ कर दिया। उन्होंने जान लिया कि शिक्षा ही एक ऐसा हथियार है जो उनकी कमजोरी, अपूर्णता को संवार सकती है और उनके जीवन को बेशकीमती बना सकती है।

उन्होंने एमए, बीएड तक शिक्षा प्राप्त की। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी रोजगार प्राप्त नहीं हुआ। ऐसे में कृष्णा ने हौसला नहीं हारा। उन्होंने अपने घर को ही नि:शुल्क पाठशाला में बदल लिया। उनकी यह पाठशाला उनके घर में ही चलती है। वे लगभग चार सालों से निराश्रित और गरीब बच्चों को पढ़ा रहे हैं। उनके पास प्रतिदिन 30-40 बच्चे आते हैं। हैरानी की बात तो यह है कि वे बोर्ड पर कलम अपने पैरों से चलाते हैं। पैर ही उनके हाथ हैं। पैरों से ही वे अपना काम करते हैं। उनके इस अद्भुत स्कूल में रविवार की भी छुट्टी नहीं रहती। उनसे पढ़ने वाले बच्चों का भी यही कहना है कि कृष्णा भैया से पढ़े बिना दिन अच्छा ही नहीं लगता। आज वही लोग जो पहले कृष्णा के लिए बेचारगी भरे भाव प्रदर्शित करते थे, उनका उदाहरण देते नहीं थकते। कृष्णा ने गरीबी, अपंगता के बावजूद जीवन में शिक्षा रूपी स्वर्ण से अपने व्यक्तित्व की आभा को दमका लिया। उन्होंने किंत्सुगी कला से प्रेरित होकर इस बात को समझा कि कुछ भी बेकार नहीं होता। थोड़ी-सी समझदारी और प्रतिभा से जीवन को गर्व से जिया जा सकता है।

आज वे उसी गर्व के साथ जी रहे हैं और असंख्य गरीब बच्चों को दिशा दे रहे हैं। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में उतार-चढ़ाव आते ही हैं। जब आपके जीवन में मुश्किल भरे दौर आएं तो उस समय किंत्सुगी कला को स्मरण करें। यदि आप कठिन पड़ाव में किंत्सुगी कला के अनुसार आचरण करते हैं तो उस कठिन दौर को अवसर में बदल सकते हैं। ड्यूक एलिंगटन भी यही कहते हैं कि, 'समस्या आपके लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का अवसर है।' वृद्ध होते माता-पिता के संदर्भ में भी किंत्सुगी कला को अपनाकर हर परिवार खुश रह सकता है। यदि माता-पिता पहले की तरह शारीरिक रूप से सक्रिय नहीं हैं तो उनकी बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाएं। छोटे बच्चों को उनकी छाया में संस्कार सिखाएं, शिक्षा प्राप्त कराएं। इससे बच्चे परिवार का महत्व समझेंगे, अच्छी शिक्षा, आचरण की मजबूत नींव में बढ़े होंगे। जब नींव मजबूत होगी तो भवन स्वयं ही सुदृढ़ होगा। यदि आप भी किसी अपूर्णता से परेशान हैं तो अभी से किंत्सुगी कला को अपनाएं। आपका कल स्वर्ण-सा दमकेगा, चट्टान की तरह मजबूत होगा।

गर्म कपड़े पहने

सर्दी में गठिया और जोड़ों के दर्द को नियंत्रित करने के लिए सबसे पहला और महत्वपूर्ण उपाय है, शरीर को गर्म रखना। सर्दी के मौसम में जहां हर कोई गर्म कपड़े पहनता है, वहीं जोड़ और मांसपेशियों को विशेष रूप से गर्म रखना चाहिए ताकि वे सख्त न हों और दर्द में वृद्धि न हो। वहीं गठिया और जोड़ों के दर्द को कम करने के लिए एक पुराना और प्रभावी उपाय है गर्म पानी से सिकाई करना। आप एक साफ तौलिया को गर्म पानी में डुबोकर दर्द वाले हिस्से पर रख सकते हैं। इससे रक्त संचार में सुधार होता है और मांसपेशियों की जकड़न कम होती है। इस प्रक्रिया को दिन में 2-3 बार करना चाहिए।

लें सही आहार

सर्दी के मौसम में जोड़ों के दर्द को नियंत्रित करने के लिए सही आहार लेना आवश्यक होता है। सही आहार से शरीर में सूजन कम हो सकती है और जोड़ों को जरूरी पोषण मिल सकता है। ओमेगा-3 फैटी एसिड सूजन को कम करने में मदद करता है, जो जोड़ों के दर्द का मुख्य कारण होता है। मछली (जैसे सालमन, टूना, हेरिंग), अखरोट, अलसी, और चिया सीड्स ओमेगा-3 से भरपूर होते हैं। आप इन खाद्य पदार्थों को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। विटामिन सी और ई जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स सूजन को कम करने में मदद करते हैं। नींबू, संतरा, आमला, और हरी सब्जियां इनका अच्छा स्रोत हैं। इसके अलावा, बैरी और अन्य रंगीन फल भी शरीर में सूजन को कम करने में मदद करते हैं।

गठिया और जोड़ों के दर्द में राहत के लिए करें ये काम

गठिया और जोड़ों के दर्द से सर्दियों में अधिक मुश्किलों का सामना करते हैं। क्योंकि सर्दियों में वातावरण में नमी और ठंडक बढ़ जाती है, जिससे जोड़ सख्त हो सकते हैं और मांसपेशियों में कसाव आ सकता है। यह प्रक्रिया दर्द और सूजन को बढ़ाती है, जिससे चलने-फिरने में कठिनाई होती है और सामान्य गतिविधियों में भी परेशानी महसूस होती है। खासकर वे लोग जो पहले से गठिया या किसी अन्य प्रकार के जोड़ के दर्द से जूझ रहे हैं, उन्हें ठंड के मौसम में अपनी जीवनशैली और आहार पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है। इसमें हीटिंग पैड या इलेक्ट्रिक हीटर का उपयोग दर्द और सूजन को कम करने के लिए बहुत लाभकारी हो सकता है। एक गर्म स्नान या बाथ टब में बैठना भी जोड़ों के दर्द को कम करने का एक उत्कृष्ट तरीका है।

स्विमिंग और साईकिल करना

अगर आपके पास स्विमिंग पूल की सुविधा है, तो तैराकी करना जोड़ों के दर्द को कम करने में बहुत सहायक होता है। तैरने से शरीर पर कम दबाव पड़ता है, लेकिन फिर भी यह जोड़ों और मांसपेशियों को मजबूती प्रदान करता है। साईकिल चलाना भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है। यह घुटनों और पैरों के जोड़ पर बहुत दबाव नहीं डालता और दर्द में राहत देता है। आप इसे धीरे-धीरे और आराम से कर सकते हैं।

पानी का पर्याप्त सेवन

पानी का पर्याप्त सेवन करने से शरीर में जल का संतुलन बना रहता है, जोड़ों की लुब्रिकेशन बेहतर होती है और सूजन कम होती है। सर्दी में भी पानी का सेवन जरूरी होता है, क्योंकि लोग अक्सर सर्दी में पानी कम पीते हैं। इसके अलावा हल्दी और अदरक दोनों ही सूजन को कम करने में प्रभावी होते हैं। इन दोनों में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। आप इन्हें चाय, दूध या भोजन में शामिल करके अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

करें व्यायाम

गठिया और जोड़ों के दर्द में शारीरिक गतिविधियां बेहद महत्वपूर्ण होती हैं। हालांकि दर्द और सूजन के कारण लोग शारीरिक गतिविधियों से बचते हैं, लेकिन हल्का व्यायाम और नियमित गतिविधियां जोड़ों को लचीला बनाए रखने और मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद करती हैं। सर्दियों में खासकर हल्के योगासन और स्ट्रेचिंग के अभ्यास से जोड़ों को लचीला बनाए रखा जा सकता है। इस दौरान किसी भी प्रकार के अत्यधिक तनाव से बचना चाहिए। ताड़ासन, पश्चिमोत्तानासन, भुजंगासन, और हलासन जैसे योगासन शरीर के जोड़ों को मजबूत करने और दर्द में राहत देने में सहायक होते हैं। इसके अलावा, धीमी गति से और गहरी श्वास के साथ की जाने वाली प्राणायाम विधियाँ भी शारीरिक तनाव को कम करने में मदद करती हैं। हल्के व्यायाम के रूप में आप वॉकिंग को भी अपनी दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं।

मनीष कुमार मौर्य

हंसना मना है

विणा अपने पति से- तुम सच में बहुत सीधे साधे और भोले हो, तुम्हें कोई भी आसानी से बेवकूफ बना सकता है। पति- सच कह रही हो, शुरुवात तो तुम्हारे पापा ने ही की है।

पति - अगर मैं मर गया तो तुम दूसरी शादी करोगी? वाईफ - नहीं, मैं अपनी बहेन के साथ पूरी जिन्दगी रह लुंगी। वाईफ - अगर मैं मर गयी तो तुम दूसरी शादी करोगे? हसबैंड - मैं भी तुम्हारी बहेन के साथ पूरी ज़िन्दगी रह लूंगा।

पहला दोस्त-' यार मैं जिस लड़की को चाहता हूं, उसने मुझसे शादी नहीं की। दूसरा दोस्त-' तुमने उसे बताया कि तेरा चाचा करोड़पती है? पहला दोस्त -' हां मैने बताया था। दूसरा दोस्त -' तो फिर? पहला दोस्त -' अब वो मेरी चाची है। आजकल दो चीज सिर्फ किस्मत वालों को ही मिलती है.. एक तो जंगल में घुमता सफेद हाथी..! और दुसरा बिना अफेयर वाला जीवन साथी।

पति- मरते वक्त बीवी से-अलमारी से तेरा गोल्ड सेट मैंने ही चोरी किया था ! बीवी रोते हुए- कोई बात नहीं जी, पति- तेरे भाई ने तुझे 1 लाख अमानत दी थी, वो भी मैने ग़ायब की ! बीवी- मैने आपको माफ किया! पति- तेरी कमेटी के पैसे भी मैने ही चोरी किये थे! बीवी- कोई बात नहीं जी, आपको ज़हर भी मैंने ही दिया है।

कहानी | ब्राह्मण और सांप

किसी नगर में हरिदत्त नाम का ब्राह्मण रहता था। उसके खेत में ज्यादा पैदावार नहीं होती थी। एक दिन हरिदत्त अपने खेत में एक पेड़ के नीचे सोया हुआ था। आंख खुली तो देखा कि एक सांप अपना फन फैलाए बैठा हुआ है। ब्राह्मण को अहसास हुआ कि यह कोई साधारण सांप नहीं है, बल्कि कोई देवता है। हरिदत्त कहीं से दूध ले आया। उसने मिट्टी के बर्तन में सांप को दूध पिलाया। दूध पिलाते समय हरिदत्त ने सांप से क्षमा मांगते हुए कहा कि हे देव! मैं आज तक आपको साधारण सांप समझता रहा मुझे माफ कर दीजिए। अपनी कृपा दृष्टि से मुझे बहुत सारा धन-धान्य प्रदान करें प्रभु। अगले दिन जब वह अपने खेत पहुंचा, तो उसने देखा कि जिस बर्तन में उसने कल सांप को दूध पिलाया था, उसमें एक सोने का सिक्का पड़ा हुआ है। हरिदत्त ने वो सिक्का उठा लिया। अब हरिदत्त रोज सांप की पूजा करने लगा और सांप रोज उसे एक सोने का सिक्का देने लगा। कुछ दिन बाद हरिदत्त को दूर किसी देश जाना पड़ा, तो उसने बेटे से कहा कि तुम खेत में जाकर सांप देवता को दूध पिला आना। बेटा खेत में गया और सांप के बर्तन में दूध रख आया। अगली सुबह जब वह सांप को दूध पिलाने गया, तो उसने देखा कि वहां सोने का सिक्का रखा हुआ है। हरिदत्त के बेटे ने वो सोने का सिक्का उठा लिया और सोचने लगा कि जरूर इस सांप के बिल में सोने का भंडार है। उसने सांप के बिल को खोदने का फैसला किया, हरिदत्त के बेटे ने योजना बनाई कि जैसे ही सांप दूध पीने आएगा, तो वह उसके सिर पर लाठी से वार करेगा, जिससे सांप मर जाएगा। सांप के मरने के बाद मैं बिल खोदूंगा और उसमें से सोना निकाल कर अमीर आदमी बन जाऊंगा। लड़के ने अगले दिन ऐसा ही किया, लेकिन जैसे ही उसने सांप के सिर पर लाठी मारी, तो वो मरा नहीं बल्कि गुस्से से भर उठा। सांप ने क्रोध में लड़के के पैर में काटा और लड़के की उसी समय मौत हो गई। हरिदत्त जब वापस लौटा, तो उसे यह जानकर बहुत दु:ख हुआ।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। सम्मान व कीर्ति में वृद्धि होगी। व्यापार में नए प्रस्तावों से लाभ मिलने के योग हैं। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे।

तुला

नई योजनाओं का सूत्रपात होगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। व्यावसायिक समस्याओं का हल आपके माध्यम से हो सकेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

वृषभ

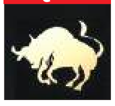

स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक जिम्मेदारी का पूर्ण ध्यान रखें। रचनात्मक कार्यों का प्रतिफल प्राप्त होगा। व्यापार में उन्नति होगी।

वृश्चिक

प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। पुरानी लेनदारी वसूल होगी। यात्रा सफल रहेगी। लाभ होगा।

मिथुन

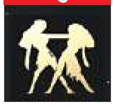

मकान व जमीन संबंधी कार्य बनेंगे। संतान पर अनावश्यक रोक न लगाएं। धन लाभ होने की भी संभावना है। बुरी खबर मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु

आज प्रसन्नता बनी रहेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। अधूरे पड़े कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से संबंधों में मधुरता आएगी। प्रयास व सहयोग से अनुकूलता आएगी।

कर्क

प्रतिष्ठा बढ़ेगी। निवेश, यात्रा व नौकरी लाभ देंगे। अपने प्रयासों से उन्नति पथ प्रशस्त करेंगे। इच्छित काम पूर्ण हो सकेंगे। मेहनत का फल मिलेगा।

मकर

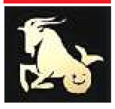

व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। नए प्रस्ताव प्राप्त होंगे। सुखद यात्रा के योग हैं। रचनात्मक काम होंगे। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी।

सिंह

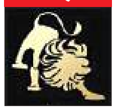

प्रसन्नता रहेगी। स्वाभिमान रहेगा। अतिथियों का आगमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आय-व्यय में असंतुलन की स्थिति बन सकती है। प्रमाद न करें।

कुम्भ

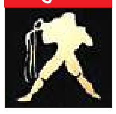

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यापार लाभप्रद रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। विवाद समाप्त होने से शांति एवं सुख बढ़ेगा। व्यापार अच्छा चलेगा।

कन्या

भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भौतिक विकास के कार्यों को बल मिलेगा। फालतू खर्च होगा। भागीदारी के प्रस्ताव आएंगे। दिनचर्या नियमित रहेगी।

मीन

व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। कानूनी बाधा दूर होगी। प्रसन्नता रहेगी। परोपकारी स्वभाव होने से दूसरों की मदद कर पाएंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

2025 के बाद अभिनय से अलविदा ले लेंगे विक्रांत

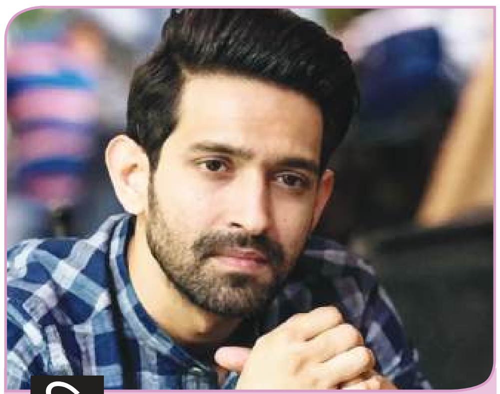

विक्रांत मैसी के हालिया इंस्टाग्राम पोस्ट में अभिनय से संन्यास लेने का एलान किया है। हाल ही में अभिनेता फिल्म द साबरमती रिपोर्ट में नजर आए थे। इससे पहले, उन्हें 12वीं फेल और सेक्टर 36 जैसी फिल्मों में उनकी बेहतरीन अदाकारी के लिए सराहा गया था। यह उम्मीद की जा रही थी कि विक्रांत इस सफलता का फायदा उठाकर आगे बढ़ेंगे, लेकिन अभिनेता ने अचानक से संन्यास लेने का फैसला किया है। 37 वर्ष की उम्र में वह अभिनय को अलविदा कहने जा रहे हैं। विक्रांत ने सोमवार सुबह (2 दिसंबर) को अपने फैंस को चौंकाते हुए यह घोषणा की कि वह 2025 के बाद अभिनय से अलविदा ले लेंगे। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए एक नोट में उन्होंने लिखा, पिछले कुछ साल और उससे पहले का समय अद्भुत रहा है। मैं आप सभी का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने मुझे हमेशा समर्थन दिया, लेकिन जैसे ही मैं आगे बढ़ा तो मुझे यह एहसास हुआ कि एक पति, पिता, बेटे और एक अभिनेता के रूप में भी अब खुद को पुनः संरेखित करने और घर लौटने का समय आ गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, विक्रांत फिलहाल दो फिल्मों-यार जिगरी और आंखों की गुस्ताखियां पर काम कर रहे हैं। इन फिल्मों के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने लिखा, 2025 में हम एक आखिरी बार मिलेंगे। पिछले 2 फिल्में और कई सालों की यादों के लिए एक बार फिर धन्यवाद। विक्रांत की इस घोषणा ने उनके फैंस को चौंका दिया है। बड़ी संख्या में लोगों ने कमेंट्स में अपनी हैरानी व्यक्त की। एक फैन ने लिखा, आप ऐसा क्यों कर रहे हैं? आपके जैसे अभिनेता बहुत कम हैं। हमें अच्छे सिनेमा की जरूरत है। एक अन्य ने कहा, अचानक? सब ठीक है न? यह फैंस के लिए बहुत चौंकाने वाली खबर है। हम आपकी एक्टिंग और फिल्मों को बहुत पसंद करते हैं।

वॉकर ब्लैंको को डेट कर रही हैं अनन्या

अनन्या पांडे ने आखिरकार पुष्टि कर ही दी है कि वह वॉकर ब्लैंको को डेट कर रही हैं? क्योंकि अनन्या ने वॉकर की बेस्ट एक्ट्रेस के पुरस्कार के कमेंट पर अपने शानदार रिप्लाई से सभी को आश्चर्यचकित कर दिया है। अनन्या पांडे ने हाल ही में खो गए हम कहां के लिए बेस्ट एक्ट्रेस क्रिटिक्स चॉइस कैटेगरी में फिल्मफेयर पुरस्कार जीता है। वॉकर ब्लैंको ने अनन्या की जीत की सराहना की और एक प्यारा कमेंट किया, जिसके बाद अनन्या के रिप्लाई ने प्रशंसकों के बीच हलचल मचा दी है।

वॉकर ब्लैंको ने अनन्या की पोस्ट को अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लाल दिल वाली इमोजी के साथ क्लैप वाली इमेजी शेयर किया। अनन्या ने स्टोरी को फिर से शेयर किया और ब्लशिंग इमोजी के साथ वॉकी लिखा। हालांकि पिछले कुछ समय से अनन्या और वॉकर को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं, लेकिन अब इन अफवाहों में कितनी सच्चाई है यह अनन्या और वॉकर ही बेहतर जानते हैं।

इससे पहले वॉकर ने अनन्या के साथ डेटिंग के संकेत दिए थे। अनन्या के जन्मदिन पर वॉकर ने इंस्टाग्राम पर अनन्या की बेहद ही खूबसूरत तस्वीर के साथ एक प्यारी पोस्ट साझा की। अनन्या की मुस्कुराती हुई तस्वीर के साथ, वॉकर ने लिखा, जन्मदिन मुबारक हो सुंदर। तुम बहुत खास हो। मैं तुमसे प्यार करता हूं एनी! इस पोस्ट ने तुरंत प्रशंसकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वॉकर ब्लैंको शिकागो के एक पूर्व मॉडल हैं। उन्होंने वेस्टमिंस्टर क्रिश्चियन स्कूल में पढ़ाई की है। वॉकर वर्तमान में गुजरात के जामनगर में एक पशु आश्रय स्थल वंतारा में काम करते हैं, जिसके मालिक अनंत अंबानी हैं। अगर उनके इंस्टाग्राम को देखें तो वॉकर एक बड़े पशु प्रेमी हैं। वह अक्सर विदेशी जानवरों की तस्वीरें शेयर करते हैं और वन्यजीवों के प्रति अपने प्यार को प्रदर्शित करते हैं। 23,000 से ज्यादा फॉलोअर्स के साथ, वॉकर को सुहाना खान, नव्या नवेली नंदा और निर्देशक एटली फॉलो करते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अगस्त में वॉकर ब्लैंको के साथ अनन्या के रिश्ते की अफवाहें फैलने लगीं। कथित तौर पर दोनों की मुलाकात अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी से पहले के समारोहों के दौरान हुई थी, जहां अनन्या ने कथित तौर पर ब्लैंको को अपने पार्टनर के तौर पर पेश किया था। अनन्या पांडे की अपनी लव लाइफ हमेशा से ही प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय रही है। पहले उनका नाम अभिनेता आदित्य रॉय कपूर के साथ जोड़ा जाता था, लेकिन इस साल की शुरुआत में कथित तौर पर दोनों अलग हो गए।

इस हफ्ते ओटीटी पर ये वेब सीरीज व फिल्में होंगी रिलीज

वर्तमान में कई लोग ऐसे हैं, जो ओटीटी पर पसंदीदा वेब सीरीज और फिल्में रिलीज होने का इंतजार करते हैं। अब उनके इंतजार पर विराम लगने वाला है। दर्शकों के लिए दिसंबर का पहला हफ्ता धमाकेदार साबित होने वाला है, क्योंकि इस हफ्ते ओटीटी पर कई वेब सीरीज और फिल्में रिलीज होने वाली हैं। चलिए आपको बताते हैं कि कौन सी फिल्में और वेब सीरीज कहां और कब रिलीज होने वाली हैं।

जिगरा: जिगरा की कहानी एक बहन के इर्द-गिर्द घूमती है जो अपने छोटे भाई की रक्षा के लिए हर हद तक जा सकती है। यह फिल्म 6 दिसंबर, 2024 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

विक्की विद्या का वो वाला वीडियो: विक्की विद्या का वो वाला वीडियो की कहानी एक विवाहित जोड़े पर केंद्रित है, जिनकी सीडी चोरी हो जाती है, जिसमें उनका निजी वीडियो है। फिर यह फिल्म सीडी को खोजने के उनके संघर्ष को दिखाती है। यह फिल्म 6 दिसंबर, 2024 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

तनाव सीजन 2: हिंदी वेब सीरीज तनाव का पहला भाग 6 सितंबर को रिलीज हुआ था। इसका दूसरा भाग यानी तनाव सीजन 26 दिसंबर को सोनी लिव पर रिलीज होगा।

अमरन: तमिल फिल्म मेजर मुकुंद वरदराजन के जीवन और 2014 में शोपियां में काजीपथरी ऑपरेशन में उनके योगदान के इर्द-गिर्द घूमती है। यह फिल्म 5 दिसंबर, 2024 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है।

अग्नि: अग्नि की कहानी एक फायरमैन और उसके साले पर केंद्रित है, जो एक संकट को हल करने के लिए मिलकर काम करते हैं। एक व्यक्तिगत संकट का सामना करते हुए वे मामले पर ध्यान केंद्रित करते हैं और मुंबई शहर को बचाते हैं। यह फिल्म अग्नि 6 दिसंबर, 2024 को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

अजब-गजब | 90 फीसदी लोगों को नहीं होगा पता!

भारत के इस राज्य की नहीं है कोई राजधानी

भारत एक स्वतंत्र प्रभुसत्ता सम्पन्न समाजवादी लोकतंत्रात्मक गणराज्य है। इस देश की सरकारों ने हमेशा देश की इन खासियत को बरकरार रखा और उसे दुनिया के सामने उदाहरण की तरह पेश किया। इस देश से जुड़ी कई ऐसी खास बातें हैं, जिसके बारे में लोगों को कम जानकारी होती है। जैसे क्या आप जानते हैं कि भारत में एक ऐसा भी राज्य है, जिसकी कोई राजधानी नहीं है। हमारा दावा है कि 90 फीसदी लोगों को इस सवाल का सही जवाब नहीं पता होगा!

भारत में 28 राज्य और 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं। इनमें से एक है आंध्र प्रदेश। इसी साल वहां पर सत्ता परिवर्तन हुआ और चंद्रबाबू नायडू आंध्र प्रदेश के नए मुख्यमंत्री बने। मुख्यमंत्री बनने के बाद जुलाई 2024 में जब चंद्रबाबू नायडू ने सदन में धन्यवाद ज्ञापन किया, तब उन्होंने इस बात का जिक्र किया कि 2014 में दो हिस्सों में बंटने के बाद भी आंध्र प्रदेश की कोई आधिकारिक राजधानी नहीं है। तो हमारे सवाल का जवाब है कि आंध्र प्रदेश वो राज्य है, जिसकी कोई आधिकारिक राजधानी नहीं है।

आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2014 के अनुसार हैदराबाद को 10 सालों के लिए आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की संयुक्त

राजधानी बनाया गया था, पर इसी साल जून से हैदराबाद सिर्फ तेलंगाना की राजधानी है, आंध्र प्रदेश की कोई आधिकारिक राजधानी नहीं है। नायडू से पहले के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने आंध्र प्रदेश में 3 राजधानियों का प्रस्ताव रखा था, पर मुख्यमंत्री बनने के बाद चंद्रबाबू नायडू ने सिर्फ अमरावती को ही राजधानी बनाने की बात कही है।

बिजनेस स्टैंडर्ड और न्यू इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2025 से अमरावती को राजधानी बनाने का काम शुरू किया जाएगा। इसके लिए 60 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। 5 नवंबर की एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कैपिटल रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी के साथ राजधानी को लेकर एक रिव्यू मीटिंग की थी तभी 60 हजार करोड़ रुपये खर्च करने की बात कही गई। अगले 3 सालों में शहर को राजधानी की तरह तैयार करने का काम किया जाएगा। इसके तहत मंत्रियों, विधायकों के बंगले, सरकारी कार्यालय, विधानसभा और हाई कोर्ट स्थापित किया जाएगा।

वो पेंटिंग जिसे खरीदकर चैन से नहीं सो पाते मालिक, डर से लगते हैं कांपने!

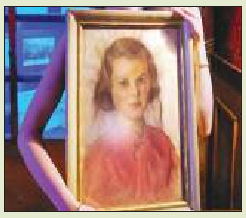

पेंटिंग करना सबसे अनोखी मगर सबसे मुश्किल कला है। आप पेंट ब्रश उठा लेंगे, रंगों का चयन कर लेंगे, पर जब तक आपके अंदर विजन नहीं होगा, तब तक आप कुछ खास नहीं रच पाएंगे। इसी वजह से तो दुनिया में कई महान पेंटिंग्स के इतने चर्चे हैं कि लोग उसे लाखों-करोड़ों में खरीदने को तैयार हो जाते हैं। पर इन दिनों ब्रिटेन में एक पेंटिंग के चर्चे इस वजह से हो रहे हैं क्योंकि उसे जो भी कोई खरीद रहा है, वो फिर चैन से नहीं सो पा रहा है। उसे डर लगने लगता है और फिर वो उसे बेच देता है।

एक वेबसाइट के अनुसार ईस्ट ससेक्स के हेस्टिंग्स में एक चैरिटी शॉप है। इस दुकान में एक पेंटिंग है। ये एक लड़की की है। हैरानी इस बात की है कि जो भी इस पेंटिंग को खरीदकर ले जाता है, वो कुछ ही दिनों में इसे वापिस कर जाता है। वो इसलिए क्योंकि इस पेंटिंग को लोग शापित मानते हैं। दुकान में भी इस पेंटिंग के साथ लिखा है- इसे 2 बार बेचा जा चुका है और दोनों ही बार इसे लौटा दिया गया है। क्या आप इतने निडर हैं कि इसे खरीद सकें?

इस पेंटिंग को पहले जोई इलियट ब्राउन नाम की एक महिला ने चैरिटी शॉप से 2600 रुपये में खरीदा था। पर जब से उसने इसे खरीदा, तब से उसे लगने लगा कि कोई काला साया उसका पीछा कर रहा है। इस वजह से उसने पेंटिंग को ई-बे के माध्यम से लंदन के जेम्स किसलिंगबरी को 1.8 लाख रुपये में बेच दिया। जेम्स लंदन ब्रिज एक्सपीरियंस नाम के एक टूरिस्ट अट्रैक्शन में काम करते हैं। ये एक प्रकार का म्यूजियम है, जहां इतिहास से जुड़ी बातें बताई और दिखाई जाती हैं उन्होंने पेंटिंग को यहां के रिसेप्शन पर लगाया था।

उन्होंने दावा किया कि जब से ये पेंटिंग वहां पर आई है, तब से उन्हें कुछ अजीब और सुपरनेचुरल सा महसूस हो रहा है। पिछले हफ्ते ही उन्हें लगा कि उनके आसपास कोई आत्मा मौजूद है इसके साथ ही स्टाफ के लोगों ने भी दावा किया कि उन्हें भी परछाई नजर आई। कई बार तो उन्हें बच्चों की परछाई दिखी, जो वहां खेलती-कूदती रहती है। जेम्स ने पेंटिंग को सितंबर 2023 में खरीदा था, तब से ही उन्हें ऐसा महसूस हो रहा है। पेंटिंग के बारे में किसी को ज्यादा कुछ नहीं पता है लोगों का कहना है कि एक बुजुर्ग व्यक्ति ने इस पेंटिंग को चैरिटी शॉप में दान दिया था। जेम्स से पहले पेंटिंग के 3 अन्य मालिक रह चुके हैं।

सीएम मोहन यादव ने कर्ज लेने में शिवराज को पछाड़ा : पटवारी

» विस का घेराव कर **हिसाब दो जवाब दो** आंदोलन करेगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। कांग्रेस 16 दिसंबर से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र के दौरान मध्य प्रदेश सरकार को घेरने की तैयारी में जुटी है। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने प्रेसवार्ता कर मोहन सरकार के एक साल का हिसाब मांगा है। कांग्रेस सरकार के एक साल पूरे होने पर विधानसभा का घेराव कर हिसाब दो जवाब दो आंदोलन करेगा। पटवारी ने आरोप लगाया है कि सीएम मोहन कर्ज लेने में शिवराज सरकार से दो कदम आगे है।

जीतू पटवारी ने कहा कि 13 दिसंबर को मोहन यादव को मुख्यमंत्री की शपथ लिए एक साल हो जाएगा। एक साल लंबा पीरियड होता है। इस एक साल में मप्र ने क्या-क्या देखा? बेटियों से बलात्कार होते हुए देखे। एक साल में बहनों बच्चों को गायब होते देखा। माफिया राज को सरकार पर हावी होते हुए देखा। वल्लभ भवन की पांचवीं मंजिल से करप्शन कैसे नीचे तक आता है इसके नए आयाम पैदा होते देखा। मप्र में ड्रग्स माफिया का उद्योग पनपते हुए देखा। पिछले एक साल में कर्ज के कौशल को शिवराज सिंह से ज्यादा बढ़ाते हुए मोहन यादव को बढ़ाते हुए देखा। आपस में करप्शन की लूट के लिए भाजपा के नेताओं में जूतम पैमार करते हुए देखा। संकल्प पत्र के धोखे को एक साल में जनता ने भोगते हुए देखा। पटवारी ने कहा कि बीजेपी ने संकल्प पत्र में जो कहा था कि लाडली बहनों को तीन हजार रुपए देंगे। पटवारी ने शिवराज सिंह चौहान का लाडली बहना योजना में 3 हजार रुपए देने के बयान का वीडियो भी दिखाया। पटवारी ने कहा- झूठ बोलने और कर्ज लेने के कौशल में शिवराज सिंह चौहान से मोहन यादव दो कदम आगे हैं। जीतू पटवारी ने कहा कि 45000 करोड़ रुपए के कर्ज से सरकार ने एक भी इनोवेटिव काम नहीं किया। जिससे प्रदेश को लाभ हो। यह कर्ज लेते हैं तो 3 करोड़ रुपए हर महीने हवाई जहाज का चुकाते हैं।

मोहन सरकार ने एक साल में प्रदेश को रुला दिया

सीएम को बेनकाब करने में उनके लोग ही लगे : सिंघार

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि मुख्यमंत्री को उनके लोग ही बेनकाब करने में लगे हैं। वे जिस नाव में बैठे हैं उसमें छेद हो चुका है। मोहन यादव अब मौन यादव हो गए हैं। वे अभी लंदन गए थे। उनके जेब से हाथ बाहर नहीं निकले। लग रहा था कि मप्र के लिए भीख मांगने गए हैं। लेकिन मप्र को आर्थिक रुप से मजबूत क्यों नहीं करना चाहते? क्यों आपको कर्जे की आवश्यकता पड़ती है। उन्होंने कहा कि शिवराज जी अमेरिका गए थे उन्हें सड़कें बड़ी अच्छी लगीं। मोहन यादव लंदन गए तो उनको डायनासोर के अंडे अच्छे लगे। तो ये मुख्यमंत्री हैं किसी को सड़कें पसंद हैं किसी को डायनासोर के अंडे पसंद हैं। प्रदेश में विकास की बात नहीं करते, कर्ज की बात करते हैं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि 20-22 साल होने जा रहे हैं प्रदेश में कई इन्वेस्टर्स मीट हुई। सरकार कहती रही कि एक लाख करोड, दो लाख करोड निवेश आया? क्या एमओयू हुए, वहां धरातल पर वहां फैक्ट्रियां लगीं। अगर आर्थिक विकास होता तो प्रदेश को कर्ज लेने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

क्राइम के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठानी होगी : केजरीवाल

» राजधानी में एक और हत्या, आप ने कानून-व्यवस्था पर फिर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में एक बार फिर हत्या का मामला सामने आया है। बीती रात मंगोलपुरी इलाके में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आपसी विवाद की चलते वारदात को अंजाम दिया गया। जिसके बाद एक बार फिर अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं। क्राइम के खिलाफ़ सभी दिल्ली वालों को एकजुट होकर आवाज़ उठानी होगी। सबसे ज़रूरी अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा है। इससे पहले अरविंद केजरीवाल ने कहा, दिल्ली के गैंगस्टरों और गुंडों को गिरफ्तार करके दिखाइए। महिलाओं के साथ दुष्कर्म करने वालों को गिरफ्तार करके दिखाइए।

मुझ पर हमला कराकर और मेरे विधायक को गिरफ्तार करके क्या दिल्ली के लोग सुरक्षित हो जायेंगे? आप विधायक नरेश बाल्यान को गिरफ्तार कर अमित शाह ने दो संदेश दिए। अगर कोई गैंगस्टर की शिकायत करता है तो उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा और गैंगस्टरों को भी संदेश दिया है कि अमित शाह उनकी सुरक्षा करेंगे, उन्हें कुछ नहीं होने देंगे। गैंगस्टर की शिकायत करने वाले आप विधायक को ही दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया।

अंडर-19 एशिया कप में भारत की पहली जीत

» टीम ने जापान को 211 रन से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शारजाह। भारत की अंडर-19 टीम ने जापान को 211 रन से हराकर एशिया कप में अपनी पहली जीत दर्ज की। सोमवार को शारजाह में खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने कप्तान मोहम्मद अमान की नाबाद शतकीय पारी की बदौलत 50 ओवर में छह विकेट पर 339 रन बनाए। जवाब में जापान की टीम आठ विकेट पर 128 रन ही बना सकी। उनकी तरफ से ह्यूगो केली ने छह चौकों की मदद से 50 रन बनाए।

भारत के लिए चेतन शर्मा, हार्दिक राज और केपी कार्तिकेय ने दो-दो विकेट चटकाए जबकि युद्धजीत गुहा को एक सफलता मिली। बता दें कि भारत की घातक गेंदबाजी के खिलाफ जापान का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। उनके सात बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए, इनमें तीन खिलाड़ी ऐसे रहे जो खाता भी नहीं खोल सके। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन आठवें ओवर में ही पहला विकेट गंवा दिया। आयुष म्हात्रे और वैभव सूर्यवंशी के बीच पहले विकेट के लिए 65 रनों की साझेदारी हुई। चार्ल्स हिंजे ने उन्हें अपना शिकार बनाया। वह 23 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वहीं, आयुष छह चौके और चार छक्के मदद से 54 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इस मुकाबले में मोहम्मद अमान ने कप्तानी पारी खेलते हुए भारत का स्कोर 300 के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 118 गेंदों का सामना किया और 103.38 के स्ट्राइक रेट से 122* रन बनाए।

कप्तान अमान ने जड़ा शतक

एडिलेड टेस्ट में यशस्वी के जोड़ीदार पर सस्पेंस बरकार

एडिलेड। भारतीय टीम के पूर्व चयनकर्ता देवांग गांधी ने रोहित शर्मा को छठे स्थान पर बल्लेबाजी की सलाह दी है। उनका मानना है कि केएल राहुल को एडिलेड टेस्ट में यशस्वी जायसवाल के साथ सलामी बल्लेबाजी के लिए उतरना चाहिए। पर्थ टेस्ट में राहुल ने अच्छी बल्लेबाजी की। दूसरे पारी में उन्होंने जायसवाल के साथ 201 रन की साझेदारी निभाकर भारत के जीत की पटकथा लिखी थी। ऑस्ट्रेलिया की प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ खेले गए अभ्यास मैच में केएल राहुल ही यशस्वी के साथ ओपनिंग के लिए उतरे थे। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 75 रनों की साझेदारी हुई थी।माना जा रहा है कि छह दिसंबर से एडिलेड में खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट में टीम इंडिया इसी लाइनअप के साथ उतर सकती है। वहीं हरभजन ने कहा, मुझे नहीं लगता कि रोहित पांचवें या छठे नंबर पर आएंगे। वह यशस्वी के साथ पारी का आगाज करेंगे और राहुल तीसरे नंबर पर आएंगे या फिर वह तीसरे नंबर से बाद में बल्लेबाजी नहीं करेंगे। रोहित के लिए बल्लेबाजी में छठा क्रम टीम के हित में नहीं होगा। वहीं खुद कप्तान ने टीम हित में किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी करने के संके त दिये है।

सीएम नीतीश के गृह जिले से जुड़े हैं शिक्षा माफिया के तार: तेजस्वी

» परीक्षा पेपर लीक को लेकर बिहार सरकार पर भड़के राजद नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में एक बार फिर सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी की ऑनलाइन परीक्षा का पेपर लीक हो गया, जिससे यह परीक्षा रद्द करनी पड़ी। इस घटना ने राज्य में एक बार फिर परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता और सरकार की मंशा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विपक्ष ने इसे 'सत्ता संरक्षित माफिया' की कारस्तानी बताते हुए सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राजद नेता तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया है कि राज्य में हो रही अधिकतर परीक्षाओं के पेपर लीक के तार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले से जुड़े रहते हैं।

उन्होंने सवाल किया कि मुख्यमंत्री कभी इन घटनाओं पर खुलकर बोलते क्यों नहीं हैं? इस लीक ने न केवल प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि बिहार में परीक्षाओं की साफ-सुथरी प्रक्रिया पर भी संदेह पैदा कर दिया है। आरोप है कि बीजेपी-जेडीयू गठबंधन सरकार के संरक्षण में पेपर लीक माफिया सक्रिय हैं, जो हर बड़ी परीक्षा में गड़बड़ी कर राज्य की शिक्षा व्यवस्था को कमजोर कर रहे हैं। विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा है कि यह पहली बार नहीं है जब परीक्षा में गड़बड़ी हुई हो। बिहार में हाल के वर्षों में कई महत्वपूर्ण परीक्षाएं रद्द करनी पड़ी हैं, जिनमें बीपीएससी, एटीईटी और अब सीएचओ परीक्षा शामिल है। हर बार लीक का खुलासा होने के बाद परीक्षाएं रद्द की जाती हैं, लेकिन दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का अभाव रहा है।

सरकार बोली- जांच होगी

सरकार की ओर से अब तक इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग ने परीक्षा रद्द करने का कारण बताते हुए जांच के आदेश दिए हैं। इधर, परीक्षार्थियों और उनके परिवारों में गहरी नाराजगी है। उनका कहना है कि मेहनत और तैयारी के बावजूद ऐसी घटनाओं से उनका भविष्य अधर में लटक जाता है। कई छात्र संगठनों ने पारदर्शी जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

चक्रवात प्रभावितों की सरकार करेगी मदद : एमके स्टालिन

» सीएम ने की मरने वालों के लिए 5 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के कई जिलों में चक्रवात फेंगल का कहर देखने को मिल रहा है। उससे प्रभावित लोगों को तमिलनाडु सरकार हर संभव मदद करेगी। इसकी घोषणा सीएम एम के स्टालिन ने की। चक्रवात फेंगल के कारण तेज बारिश भी हो रही है।

इसी बीच मूसलाधार बारिश के कारण तमिलनाडु में सोमवार को तिरुवन्नामलाई में लैंडस्लाइड हुआ था। इस हादसे में एक परिवार के सात लोग मारे गए थे, जिनके लिए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मुआवजे की घोषणा की है। स्टालिन ने तिरुवन्नामलाई जिले में भारी बारिश के कारण भूस्खलन में जान गंवाने वाले सात लोगों के परिवारों के लिए 5 लाख रुपये की मुआवजे की राशि की घोषणा की है। स्टालिन ने आधिकारिक बयान भी जारी किया है।

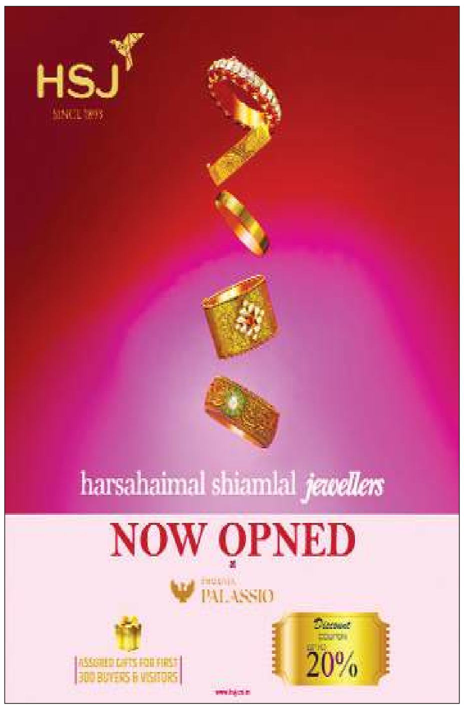

महाराष्ट्र में महाभारत, सीएम पर संशय बरकरार

मुख्यमंत्री के नाम पर 10 दिन बाद भी मुहर नहीं लगने पर विपक्ष ने महायुति को घेरा

» बोले महाविकास अघाड़ी के नेता- प्रदेश में चल रहा चूहे बिल्ली का खेल

» आदित्य ठाकरे ने की राष्ट्रपति शासन की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा के नतीजे के एक सप्ताह से अधिक समय बीतने के बाद भी मुख्यमंत्री की शपथ नहीं होने पर महायुति गठबंधन विपक्ष के निशाने पर आ गई है। हालांकि उधर ये भी खबर है कि शपथ ग्रहण की तैयारी शुरू हो गई है। सीएम की देरी होने पर आदित्य ठाकरे ने भी तंज कसा है। विपक्ष लगातार इस को लेकर कटाक्ष कर रहा है। उसका कहना है कि महाराष्ट्र में चूहे बिल्ली का खेल चल रहा है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव परिणाम 23 नवंबर को आया, तब से ही नई सरकार बनाने के लिए महायुति में रस्साकशी चल रही है। मुंबई से दिल्ली तक बैठकों का दौर जारी है, मगर सीएम कौन होगा?, यह तय नहीं हो पाया है। विपक्षी दलों ने इस हालात पर चुटकी ली है। यूबीटी नेता संजय राउत ने पहले ही शिवसेना और एनसीपी नेताओं को बीजेपी का गुलाम बता चुके हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में अमित शाह और नरेंद्र मोदी महाराष्ट्र का सीएम तय करेंगे।

आजाद मैदान पहुंचे महायुति के नेता, शपथ ग्रहण समारोह से पहले तैयारियों का लिया जायजा

5 दिसंबर को होने वाले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह से पहले तैयारियों का जायजा लेने के लिए बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी के महायुति नेता मुंबई के आजाद मैदान में पहुंचे। शपथ ग्रहण समारोह में एनडीए के वरिष्ठ नेताओं और कई मुख्यमंत्रियों के शामिल होने की संभावना है। बीजेपी नेता गिरीश महाजन ने बताया कि 5 दिसंबर को यहां एक अच्छा कार्यक्रम होने जा रहा है। कल बीजेपी विधानमंडल सदस्यों की बैठक होने जा रही है, जिसमें सीएम कौन होगा, इसका फैसला होगा। मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होने वाले हैं।

लंबे समय तक सरकार नहीं बनाना महाराष्ट्र का अपमान : आदित्य ठाकरे

आदित्य ठाकरे ने एक्स पर किए ट्वीट में कहा कि रिजल्ट आने के बाद लंबे समय तक सरकार नहीं बनाना महाराष्ट्र का अपमान है। उन्होंने 5 नवंबर की शपथ घोषित करने पर भी आपत्ति जताई। आदित्य ठाकरे ने लिखा कि बिना सरकार गठन का दावा किए कोई पार्टी शपथ ग्रहण की डेट का ऐलान कैसे कर सकती है। उन्होंने कहा कि अगर यह स्थिति विपक्षी दलों के साथ होती तो अब तक राष्ट्रपति शासन लागू हो चुका होता। ऐसा लगता है कि नियम-कानून विपक्षी दलों पर ही लागू होते हैं। आदित्य ने ट्वीट में न सिर्फ महायुति, चुनाव आयोग और राज्यपाल पर निशाना साधा है, बल्कि निवर्तमान सीएम एकनाथ शिंदे की भी चुटकी है। एक्स पर जूनियर ठाकरे ने लिखा है कि राज्यपाल को बिना संख्याबल दिखाए एकतरफा शपथ ग्रहण की तिथि घोषित करना पूरी तरह अराजकता है।

खुद को बड़ी पार्टी बताने वाली भाजपा एक नेता नहीं ढूंढ पा रही : मनोज

महाराष्ट्र के राजनीतिक घटनाक्रम पर झामुमो नेता मनोज पांडे ने कहा, यह समझ से परे है कि खुद को सबसे बड़ी पार्टी बताने वाली पार्टी एक नेता का चुनाव नहीं कर पा रही है? किसे मुख्यमंत्री बनाएंगे ये पता ही नहीं है। यह उनकी संगठनात्मक कमजोरी है। वर्तमान मुख्यमंत्री आए दिन गायब हो जाते हैं। वहां (महाराष्ट्र) चूहे बिल्ली का खेल चल रहा है। वे (महायुति) नेतृत्व विहीन हैं।।

यह सब दिल्ली का खेल : राउत

महाराष्ट्र के राजनीतिक घटनाक्रम पर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा, एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री हैं। एक मुख्यमंत्री कैसे गायब हो सकता है? महाराष्ट्र में खेल चल रहा है। 10 दिन हो चुके हैं। उनके (महायुति) पास भारी बहुमत है लेकिन उसके बाद भी वे लोग मुख्यमंत्री का नाम अब तक घोषित नहीं कर पा रहे हैं। अब तक राजभवन में सरकार बनाने का दावा नहीं किया गया है। यह सब दिल्ली का खेल है। महाराष्ट्र में जो मरखट लीला चल रही है वो दिल्ली से चलाई जा रही है।

शपथ ग्रहण समारोह भव्य तरीके से आयोजित किया जाएगा : शिरसाट

शिवसेना नेता संजय शिरसाट ने भी कहा कि शपथ ग्रहण समारोह भव्य तरीके से आयोजित किया जाएगा। हमें आज शाम को पता चल जाएगा कि क्या एकनाथ शिंदे सरकार का हिस्सा होंगे या नहीं? हम (शिवसेना) आज शाम को बैठक करेंगे। मुख्यमंत्री पद को लेकर गतिरोध की अफवाहों को खारिज करते हुए, शिवसेना नेता दीपक केसरकर ने सोमवार को स्पष्ट किया कि महाराष्ट्र की नई सरकार के गठन में देरी का कारण कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नहीं हैं। केसरकर ने बढ़ती अटकलों को संबोधित करते हुए कहा कि यह कहना गलत है कि राज्य में सरकार नहीं बनने का कारण एकनाथ शिंदे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर दी है और मुख्यमंत्री के चेहरे की घोषणा आज की जाएगी। उन्होंने दोहराया कि शिंदे ने महायुति गठबंधन की एकता और उद्देश्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए निर्णय को मजबूती से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के हाथों में सौंप दिया है।

सबकी सहमति होती तो सरकार बनाने में इतना समय क्यों लगता : प्रमोद तिवारी

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, हम एक बात समझ सकते हैं- अगर सरकार पूर्ण बहुमत के साथ नहीं होती है, तो संख्या लानी होगी। लेकिन यहां उन्होंने दो तिहाई से अधिक बहुमत दर्ज किया। फिर वे किस पर काम कर रहे हैं? जिस व्यक्ति ने बालासाहेब ठाकरे द्वारा बनाई गई पार्टी को धोखा दिया, जिसने उसे तोड़ दिया, वह सीएम बनने के लिए बेताब है। देखते हैं कौन सीएम बनता है। अगर सभी की सहमति होती तो इतना समय क्यों लगता।

फोटो :4 पीएम

धरना संभल हिंसा को लेकर आजाद समाज पार्टी ने डीएम ऑफिस पर किया प्रदर्शन।

एयरपोर्ट पर डिब्बे में नवजात का शव मिलने से हड़कंप

» एक कोरियर कंपनी के कनसाइनमेंट में बच्चे का मिला है शव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ का चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार यहां वह हो गया जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं कि थी। एयरपोर्ट के कार्गो एक नवजात के बच्चे का शिव मिलने से हड़कंप मच गया है। हुआ यूं कि एक कोरियर कंपनी के कनसाइनमेंट में बच्चे का शव मिला है।

पूरे मामले का खुलासा स्कैनिंग के दौरान हुआ। कोरियर एजेन्ट को कार्गो कर्मचारियों ने पकड़कर सीआईएसएफ के हवाले कर दिया है। सीआईएसएफ के लोग उस कर्मचारी से पूछताछ कर रहे हैं। पैक्ड डिब्बे के भीतर क प्लास्टिक का डिब्बा था जिसमें लिक्कड के साथ नवजात के शव को रखा गया था।

आखिर इस नवजात के शव को डिब्बे में रखकर दूसरी जगह क्यों भिजवाय जा रहा था यह बड़ा सवाल है। क्या इससे पहले भी इस तरह के शव को दूसरी जगह भिजवाया गया है यह भी बड़ा सवाल है। चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट का विस्तार बहुत तेजी से हुआ है। पहले यहां से सिर्फ दुबई के लिए फ्लाइट जाती थी लेकिन अब कई देशों की फ्लाइट आ और जा रही है। यही नहीं डामेस्टिंग ट्रेवलिंग में भी तेजी है। ऐसे में कभी सोना मिलना, कभी फर्जी दस्तावेजों के साथ किसी यात्री का मिलना आश्चर्य पैदा करते थे। लेकिन आज कूरियर कंपनी के पैकेट में किसी नवजात का शव अपने आप में लाख सवाल खड़े कर रहा है कि वह कौन व्यक्ति है जिसने डिब्बे में नवजात के शव को फलाइट से कहीं दूसरी जगह भेजना चाहा।

किसान आंदोलन को लेकर सुप्रीम टिप्पणी

» शीर्ष अदालत बोली- शांतिपूर्ण विरोध करें लोगों को असुविधा न पहुंचाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब के किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वे प्रदर्शनकारी किसानों को राजमार्गों को बाधित न करने और लोगों को असुविधा न पहुंचाने के लिए राजी करें। दल्लेवाल को 26 नवंबर को पंजाब-हरियाणा सीमा पर खनौरी विरोध स्थल से हटा दिया गया था।

दल्लेवाल की ओर से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका का निपटारा करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमने देखा है कि उन्हें रिहा कर दिया गया है और उन्होंने शनिवार को एक साथी प्रदर्शनकारी को अपना आमरण अनशन समाप्त करने के लिए राजी भी किया। किसानों द्वारा उठाए गए मुद्दे को अदालत ने नोट किया है और लंबित मामले में इस पर विचार किया जा रहा है, आप सभी जानते हैं कि खनौरी सीमा पंजाब के लिए जीवन रेखा है, पीठ ने दल्लेवाल की ओर से पेश वकील से कहा कि हम इस पर टिप्पणी नहीं कर रहे हैं कि विरोध सही है या गलत, जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि दल्लेवाल प्रदर्शनकारियों को कानून के तहत शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन आयोजित करने के लिए राजी कर सकते हैं और ताकि लोगों को कोई असुविधा नहीं पहुंचे।

प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट की याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में 4 दिसंबर को सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 की वैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 4 दिसंबर को सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच सुनवाई करेगी. इस मामले में कुल छह याचिकाएं दाखिल हुई हैं, हालांकि केंद्र सरकार ने अभी तक भी हलफनामा दाखिल नहीं किया है। इस मामले में दाखिल छह याचिकाओं में विश्व भद्र पुजारी पुरोहित महासंघ, सुब्रह्मण्यम स्वामी और अश्विनी उपाध्याय के साथ ही जमीयत उलेमा ए हिंद की भी याचिका शामिल है। एक पक्ष ने जहां प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 को रद्द करने की मांग की है। वहीं जमीयत उलेमा ए हिंद ने इसके समर्थन में अपनी याचिका दाखिल की है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय** :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** **डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।